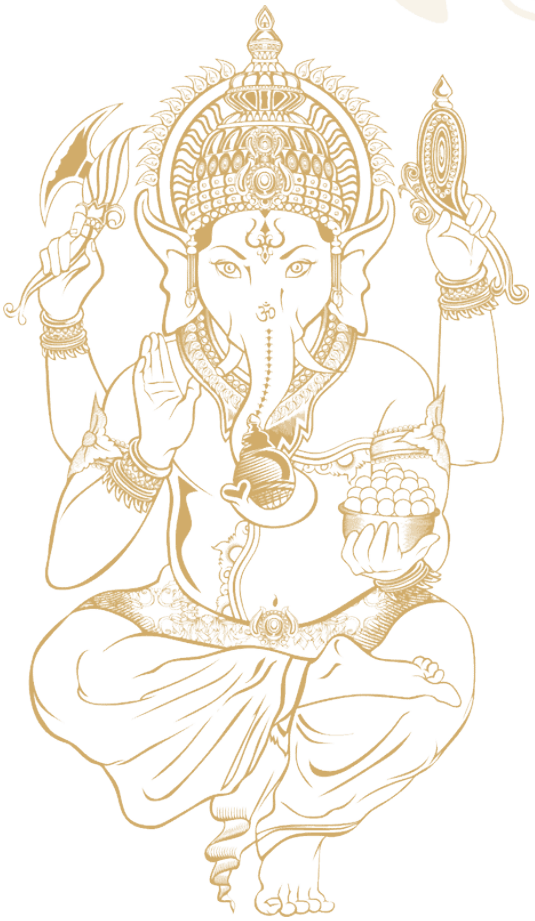

A

B

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121268506

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28-29/03/1996	जन्म तिथि	14/08/2000
गुरु-शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 06:15:00	जन्म समय	18:20:00 घंटे
घटी 59:42:38	जन्म समय(घटी)	30:58:05 घटी
India	देश	India
Nim Ka Thana	स्थान	Rewari
27:44:00 उत्तर	अक्षांश	28:11:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	76:37:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	-00:23:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:21:56	सूर्योदय	05:52:53
18:42:42	सूर्यास्त	19:02:54
23:48:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:42

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 14वर्ष 9मा 28दि		11:29:32	मीन	लग्न	मक	16:11:46	चन्द्र 2वर्ष 0मा 17दि	
बुध		14:48:45	मीन	सूर्य	कर्क	28:09:50	राहु	
26/01/2011		06:15:40	कर्क	चंद्र	मक	20:36:14	01/09/2009	
26/01/2028		09:36:57	मीन	मंगल	कर्क	14:49:51	01/09/2027	
बुध	23/06/2013	15:33:10	मीन	बुध	कर्क	20:12:24	राहु	14/05/2012
केतु	20/06/2014	21:49:28	धनु	गुरु	वृष	14:05:29	गुरु	07/10/2014
शुक्र	20/04/2017	00:40:24	वृष	शुक्र	सिंह	15:43:54	शनि	13/08/2017
सूर्य	25/02/2018	05:03:28	मीन	शनि	वृष	06:22:34	बुध	02/03/2020
चन्द्र	27/07/2019	23:23:20	कन्या व	राहु व	कर्क	00:40:25	केतु	20/03/2021
मंगल	23/07/2020	23:23:20	मीन व	केतु व	मक	00:40:25	शुक्र	20/03/2024
राहु	10/02/2023	10:05:53	मक	हर्ष व	मक	24:51:10	सूर्य	12/02/2025
गुरु	18/05/2025	03:40:37	मक	नेप व	मक	10:50:55	चन्द्र	14/08/2026
शनि	26/01/2028	09:09:32	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	16:18:06	मंगल	01/09/2027

लग्न-चलित

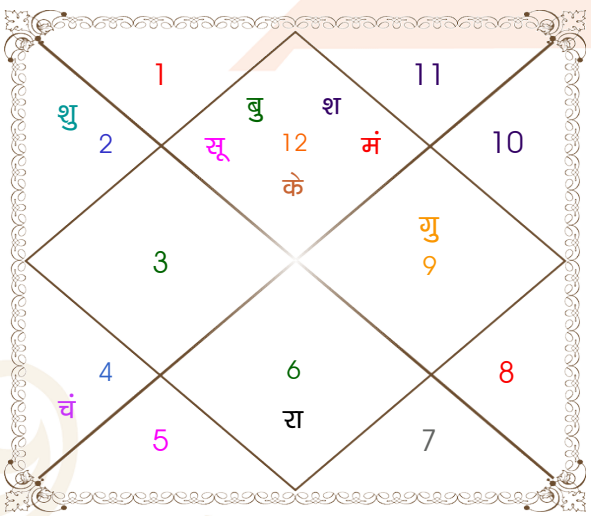

लग्न-चलित

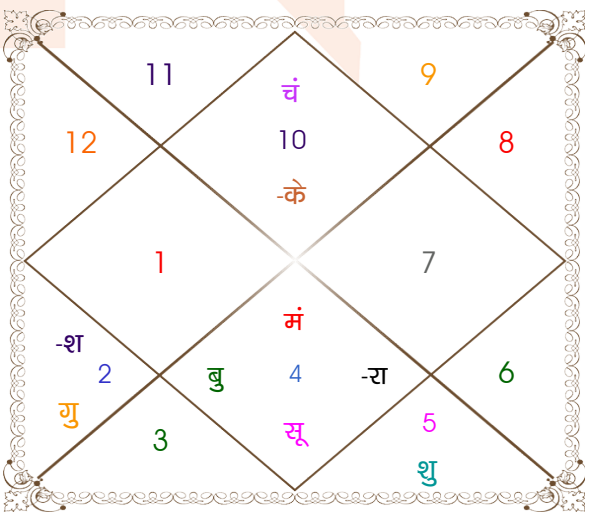

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	वानर	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

A का वर्ग मेष है तथा B का वर्ग मार्जार हैA इन दोनों वर्गों में परस्पर सम हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार A और B का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता हैA

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु B कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु A कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A तथा B में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।